

अध्याय - 9 | यशपाल

QUIZ-01

1. यशपाल का जन्म कहाँ हुआ था?

- A. कानपुर B. लखनऊ
C. फिरोज़पुर D. इलाहाबाद (C)

व्याख्या: यशपाल का जन्म 1903 में फिरोज़पुर (पंजाब) में हुआ था।

2. यशपाल की कौन-सी कृति एक उपन्यास है?

- A. ज्ञानदान B. पिंजरे की उड़ान
C. झूठा सच D. फूलों का कुत्ता (C)

व्याख्या: 'झूठा सच' यशपाल का प्रसिद्ध उपन्यास है।

3. लेखक ने सेकंड क्लास का टिकट क्यों लिया?

- A. भीड़ से बचने और एकांत में सोचने के लिए
B. अधिक आराम से यात्रा करने के लिए
C. दोस्तों के साथ यात्रा करने के लिए
D. पैसे बचाने के लिए (A)

व्याख्या: लेखक ने भीड़ से बचकर एकांत में नई कहानी के विषय पर सोचने और खिड़की से दृश्य देखने के लिए सेकंड क्लास का टिकट लिया।

4. नवाब साहब किस शहर के रहने वाले थे?

- A. इलाहाबाद B. कानपुर
C. लखनऊ D. बदायूँ (C)

व्याख्या: नवाब साहब लखनऊ की नवाबी नस्ल के थे।

5. लेखक ने नवाब साहब से आँखें क्यों चुरा लीं?

- A. क्योंकि नवाब साहब उनसे बात करने के इच्छुक नहीं थे
B. क्योंकि वे एक-दूसरे को जानते नहीं थे
C. क्योंकि लेखक को वहाँ बैठने में संकोच हो रहा था
D. क्योंकि डिब्बा खाली था (A)

व्याख्या: लेखक ने नवाब साहब से आँखें इसलिए चुराईं क्योंकि नवाब साहब उनसे बात करने के इच्छुक नहीं थे।

6. नवाब साहब ने अकेले सफर करने के लिए क्या खरीदा था?

- A. किताबें B. खजूर
C. बीड़े D. तौलिया (C)

व्याख्या: अकेले सफर का वक्त काटने के लिए नवाब साहब ने बीड़े खरीदे थे।

7. नवाब साहब के चिंतन में विघ्न पड़ने का कारण क्या था?

- A. बीड़ों को देखना B. गाड़ी का चलना
C. लेखक का अचानक आ धमकना
D. सहयात्रियों का शोर मचाना (C)

व्याख्या: लेखक के अचानक आ जाने से नवाब साहब के चिंतन में विघ्न पड़ा।

8. स्थायी बैठे लेखक की आदत क्या थी?

- A. सो जाना B. कल्पना करते रहना
C. पढ़ना D. गाना गाना (B)

व्याख्या: लेखक की आदत थी कि स्थायी बैठने पर कल्पना करते रहते थे।

9. नवाब साहब ने सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा होगा?

- A. अकेले सफर करने के लिए
B. लेखक के साथ सफर करने के लिए
C. सोने के लिए
D. जागने के लिए (A)

व्याख्या: नवाब साहब ने यह सोचकर सेकंड क्लास का टिकट खरीदा कि अकेले सफर करेंगे।

10. नवाब साहब ने लेखक को संबोधित करते हुए क्या कहा?

- A. नमस्ते जनाब B. सलाम जनाब
C. आदाब अर्ज, जनाब
D. खुशामदीद जनाब (C)

व्याख्या: नवाब साहब ने लेखक को संबोधित करते हुए कहा – "आदाब अर्ज, जनाब"।